



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 30 अप्रैल, 1998/10 बंशाख, "1920

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

विधायी एवं राजभाषा खण्ड

अधिसूचना

शिमला-2, 29 अप्रैल, 1998

संख्या एल० एल० आर० (राजभाषा) (बी) 16-3/98.—“दि हिमाचल प्रदेश पैसैंजर एण्ड गुड्ज रेक्सेशन (अमैन्डमेन्ट) ऐक्ट, 1985 (1985 का 6)” के राजभाषा (हिन्दी) अनुवाद को हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल के तारीख 27 अप्रैल, 1998 के प्राधिकार के अधीन एतद्द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है और यह हिमाचल प्रदेश राजभाषा (अनुपूरक उपबन्ध) अधिनियम, 1981 (1981 का 12) की धारा 3 के अधीन उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

आदेश द्वारा
हस्ताक्षरित/-
सचिव (विधि)।

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1985

(1985 का 6)

(6 अगस्त, 1985 को राज्यपाल द्वारा अनुमत)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम,
1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के छत्तीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा
निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ। 1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 1985 है।

(2) यह 14 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

धारा 3-क का संशोधन। 2. हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) की धारा 3-क में,—

(क) “किसी यात्री के बीमे” शब्दों के स्थान पर, “किसी यात्री को अनुग्रह-पूर्वक अनुदान के संदाय” शब्द रखे जाएंगे; और

(ख) चिन्ह “।” के स्थान पर चिन्ह “:” रखा जाएगा और तत्पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु ऐसी स्कीम राज्य सरकार द्वारा उस दिन से जिस को अधिभार उद्गृहीत किया गया था भूतलक्षी प्रभाव से विरचित की जा सकेगी।